भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3131

उत्तर देने की तारीखः 22.0**3**.201**8**

बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले आईआईटी के छात्र

3131. श्री बसावाराज पाटिलः

**क्या** मानव संसाधन विकास मंत्री **यह बताने की कृपा करेंगे किः**

**(क) गत तीन वर्षों में आईआईटी में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या कितनी-कितनी है;**

**(ख) अंतिम परीक्षा में बैठने वालों के सापेक्ष पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों का अनुपात क्या है;**

**(ग) क्या इसके कारणों का पता लगाने के लिए कोई आकलन कराया गया है; और**

**(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

**(डॉ. सत्‍य पाल सिंह)**

**(क) से (घ): विगत तीन वर्षों के दौरान आईआईटी में 2015 में 18314; 2016 में 19423; और 2017 में 20204 सहित कुल 57941 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इस अवधि के दौरान पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों की संख्‍या 2405 थी जिसमें 2015 में 968; 2016 में 802 और 2017 में 635 विद्यार्थी शामिल हैं। पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों की अधिकतम संख्‍या स्‍नात्‍तकोतर और पीएचडी कार्यक्रमों में है। इसके मुख्‍य कारण सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में नियोजन के प्रस्‍ताव और अन्‍यत्र बेहतर अवसरों के लिए उनकी व्‍यक्‍तिगत वरीयता है। अवरस्‍नातक कार्यक्रमों में पढ़ाई बीच में छोड़ने का कारण गलत विकल्‍प भरने के कारण नाम वापस लेना, खराब प्रदर्शन और व्‍यक्‍तिगत तथा चिकित्‍सा संबंधी कारण है। पढ़ाई बीच में छोड़ने को कम करने के लिए आईआईटी ने कई सुधारात्‍मक उपाय शुरू किए हैं जिनमें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति को मॉनिटर करने के लिए सलाहकारों की नियुक्‍ति, शैक्षिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्‍त कक्षाओं का प्रावधान, पीयर समर्थित अधिगम, विद्यार्थियों को तनाव मुक्‍त करने के लिए काउंसलिंग, मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरणा और पाठ्यतेर गतिविधियां शामिल हैं।**